

जोशीमठ आपदा प्रभावितों को बसाने के लिये चार स्थान चिह्नित

चर्चा में क्यों?

17 जनवरी, 2023 को उत्तराखण्ड आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव डॉ. रंजीत सनिहा ने बताया कि जोशीमठ आपदा प्रभावितों को पुनर्वासित करने के लिये चार स्थानों पर भूमिका चयन कर लिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- सचिव डॉ. रंजीत सनिहा ने बताया कि जोशीमठ में लोगों को अच्छे घर बनाकर दिये जाने के प्रति विश्वास दिलाने के लिये पहले कोटी फार्म में स्थिति उद्यान विभाग की भूमि पर तीन डेमोस्ट्रेशन भवन बनाए जाएंगे। इसमें वन, टू और थ्री बीएचके के प्री-फेब्रिकेटडि मॉडल भवन बनेंगे।
- किसको कतिने कमरों का घर दिया जाएगा, यह बाद में तय किया जाएगा। हालाँकि इसके लिये लोगों की भवनों की नापझोख पहले ही कर ली गई है। इसके लिये सीबीआरआई रुड़की को 21 जनवरी तक मॉडल भवन बनाने को कहा गया है।
- उन्होंने बताया कि आपदा प्रभावितों को बसाने के लिये पाँच स्थानों पर भूमिका चयन किया गया था। इनमें से जीएसआई की रिपोर्ट के आधार पर चार स्थानों को उपयुक्त पाया गया है। इनमें कोटी फार्म, एचआरडीआई की भूमि, पीपलकोटी और ढाक गांव में भूमि शामिल है।
- डॉ. रंजीत सनिहा ने बताया कि स्थानीय प्रशासन की ओर से लोगों से बात की जाएगी, यदि उन्हें यह भवन पसंद आते हैं तो उनके लिये और भवन बनाए जाएंगे। सीबीआरआई की ओर से निर्माण एजेंसियाँ पहले से तय हैं, उनकी दरें भी तय हैं। सीबीआरआई की ओर से इसके लिये 400 रुपए वर्गफुट रेट तय है। इन भवनों की लाइफ 25 से 30 साल होती है।
- चिह्नित चार स्थान ये हैं-
 - **कोटी फार्म:** जोशीमठ से लगभग 12 किलोमीटर दूर कोटी फार्म के लिये औली से सड़क कटती है। यहाँ राजस्व की भूमि उपलब्ध है।
 - **ढाक गांव:** मलारी रोड पर स्थिति ढाक गांव जोशीमठ से करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थिति है। यहाँ राजस्व की भूमि उपलब्ध है।
 - **पीपलकोटी:** जोशीमठ से करीब 36 किलोमीटर दूर पीपलकोटी में भी सरकारी ज़मीन उपलब्ध है।
 - **एचआरडीआई की भूमि:** जोशीमठ से करीब नौ किलोमीटर दूर जड़ी-बूटी शोध संस्थान (एचआरडीआई) की भूमि है।